



बरेली, सोमवार
9 जनवरी, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

PAGE NO 4 : TOP RIGHT

वाद्ययंत्रों की धुनों में डूबे श्रोता

जासं, बरेली: रिद्धिमा के सभागार में रविवार को भारतीय और पाश्चात्य वाद्ययंत्रों की धुनों से श्रोता भावविभोर हो गए। संगीत गुरुओं ने प्रचलित और लुप्त हो चुके वाद्ययंत्रों की सरगम छेड़ कर रिद्धिमा के मंच को धुनों से सजा दिया। राग रागेश्वरी प्रस्तुति में क्लासिकल इंस्ट्रूमेंट्स का वादन हुआ। इसमें उमेश मिश्रा ने सारंगी, कुंवर पाल ने सितार, चंद्रमोहन ने बांसुरी, जनार्दन भारद्वाज ने हरमोहन, सूर्यकांत चौधरी ने वायलिन, आकाश गुप्ता और सावन कुमार ने प्रस्तुति दी। दूसरी प्रस्तुति में तबला गुरु आकाश गुप्ता और सावन कुमार और उनके छात्र गुरंश सिंह, मंतिका अरोरा और उज्वल अग्रवाल ने तबला पर मध्यम लय में तीन ताल का प्रदर्शन किया। इसमें सारंगी गुरु उमेश मिश्रा ने भी साथ दिया। तीसरी प्रस्तुति में राग कलाश्री पर फ्यूजन सामने आया। इसमें जोशुना बैले ने ड्रम पर हाथ आजमाया जबकि इजिप्ट के वाद्ययंत्र द्रबंगा सावन कुमार ने। इनका साथ रोनिक फिलिप ने सेक्सोफोन पर, सुरेंद्र



प्रस्तुति देती कलाकार • जागरण

सिंह ने कांगो पर और मुकेश ने बेस गिटार पर दिया। चौथी और पांचवीं प्रस्तुति में भारतीय और पश्चिमी धुनों का फ्यूजन सामने आया। इसमें पाश्चात्य संगीत जगत का प्रसिद्ध वाल्ट म्यूजिक के साथ ही भारतीय धुनें प्रदर्शित की गईं। जिसे तबला पर सावन केवट, सितार पर कुंवर पाल, सारंगी पर उमेश मिश्रा, वायलिन पर सूर्यकांत चौधरी, हरमोनियम पर जनार्दन भारद्वाज, कीबोर्ड पर जोशुना बैले, तबला पर आकाश गुप्ता ने प्रस्तुत किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. रीटा शर्मा समेत अन्य रहे।